



2026:AHC:18890

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद
रिट याचिका - बी संख्या - 302/2026

राकेश कुमार

.....याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 2 अन्य

.....प्रत्यर्थी(गण)

याचिकाकर्ता(गण) के अधिवक्ता

: अजय कुमार श्रीवास्तव

प्रत्यर्थी(गण) के अधिवक्ता

: सी.एस.सी.

न्यायालय संख्या - 54

माननीय न्यायमूर्ति दिनेश पाठक

1. पक्षकारों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना गया।
2. वर्तमान रिट याचिका अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अनुतोष के लिए दायर की गई है:-

"परमादेश की प्रकृति की रिट, आदेश या निदेश जारी कर प्रत्यर्थी संख्या 1 को यह निदेश दिया जाए कि वह पुनरीक्षण संख्या 139/192/263, उ.प्र.च.जो.अ. की धारा 48 के अंतर्गत (नेत्रपाल एवं अन्य बनाम हरप्रसाद एवं अन्य), का विनिश्चय माननीय न्यायालय द्वारा निर्धारित समयबद्ध अवधि के भीतर शीघ्रता से करे।"

3. विद्वान स्थायी अधिवक्ता को उपरोक्त मामले के शीघ्र निस्तारण हेतु निदेश जारी किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

4. उपरोक्त परिप्रेक्षा में, इस मामले को लंबित रखने से कोई उपयोगी प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा, अतः यह न्यायालय वर्तमान रिट याचिका को अंततः निस्तारित करना उचित समझता है, बिना रिट याचिका में उल्लिखित मामले के गुण-दोष पर कोई अवलोकन किए, प्रत्यर्थी संख्या-2 को यह

अस्वीकरण: अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।



निर्देश देते हुए कि वे उक्त मामले को विधि के अनुसार, एक आख्यापक और सकारण आदेश के माध्यम से, संबंधित पक्षकारों को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात और किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन प्रदान किए बिना, शीघ्रता से, अधिमानतः इस आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने की तिथि से **पाँच माह** की अवधि के भीतर, विनिश्चित करें।

5. उपरोक्त निर्देश के साथ, वर्तमान रिट याचिका **निस्तारित** की जाती है।

(न्यायमूर्ति दिनेश पाठक)

28 जनवरी, 2026

वीआर